

## नरिमाण की कहानी (2 का भाग 1)

रेटगि:

वविरण:

श्रेणी: [लेख नए मुसलमानों की कहानियां पुरुष](#)

द्वारा: Imam Mufti (© 2016 IslamReligion.com)

पर प्रकाशति: 04 Nov 2021

अंतमि बार संशोधति: 04 Nov 2021

### सब कुछ ईश्वर ने बनाया है

तो यह सब कैसे शुरू हुआ? ईश्वर, और कुछ नहीं। इस्लाम के पैगंबर (ईश्वर की दया और कृपा उन पर बनी रहे) से पूछा गया, "हे ईश्वर के दूत, अपनी रचना करने से पहले हमारा ईश्वर कहां था?" उन्होंने कहा: "उनके सवि कुछ भी नहीं था, उनके नीचे कुछ नहीं था और उनके ऊपर भी कुछ नहीं था।"<sup>[1]</sup>

सोचो यह कतिना अद्भुत है, इससे मूल रूप से हमें पता चलता है कि ईश्वर के अलावा कुछ भी नहीं है जो वास्तव में योग्य है; सृष्टि को ईश्वर के सवि किसी की आवश्यकता नहीं क्योंकि शुरुआत में ईश्वर था जबकि और कुछ नहीं था।

ईश्वर कुरआन में कहता है:

"ईश्वर ही प्रत्येक वस्तु का पैदा करने वाला तथा वही प्रत्येक वस्तु का रक्षक है।" (कुरआन

39:62)



तो ईश्वर को छोड़कर सब कुछ उसी ने बनाया है, और सब कुछ उसके प्रभुत्व और नियंत्रण के अधीन है, और वही इसे अस्तित्व में लाया।

पैगंबर मुहम्मद के समकालीन जुबैर ने खुद के बारे में बताते हुए कहा, "मैं पैगंबर के सबसे बड़े दुश्मनों में से एक था," और उसने कहा, "मैं उनसे इतनी नफरत करता था जतिनी इस धरती पर किसी भी अन्य इंसान से नहीं करता था," लेकिन फिर कुछ अजीब हुआ। "एक बार जब मैं मस्जिद में गया और मैंने पैगंबर को सूरह अत-तूर के छंद (कुरआन 52:35-36) को पढ़ते हुए सुना, 'क्या वे पैदा हो गये हैं बिना किसी के पैदा किये अथवा वे स्वयं पैदा करने वाले हैं? या उन्होंने ही उत्पत्त की है आकाशों तथा धरती की? बल्कि उन्हें बिल्कुल पता नहीं है, वे भ्रम में हैं!'"

जुबैर ने कहा कि उस समय जब पैगंबर ने ये पढ़ा (भले ही उसने आधिकारिक तौर पर बाद में इस्लाम स्वीकार किया) तो "मेरे दिल में विश्वास आ गया। मैं उस समय जान गया कि ऐसा हो ही नहीं सकता कि ईश्वर न हो!"

यदि आप अकेले बैठ के सोचें कि हम और हमारे आस-पास की हर चीज को किसने बनाया है और सभी संभावनाओं को खत्म कर दें, तो आप पाएंगे कि इसे बनाने वाला ईश्वर के सिवा कोई और नहीं है।

## जल, सहिसन (अर्श) और पावदान (कुरसी) का निर्माण

**पैगंबर मुहम्मद ने कहा: "ईश्वर के सिवा कुछ भी नहीं था, उनके नीचे कुछ नहीं था और उनके ऊपर भी कुछ नहीं था। फिर उन्होंने पानी के ऊपर अपना सहिसन बनाया।"[\[2\]](#)**

पैगंबर ने हमें बताया कि पहले ईश्वर था और कुछ नहीं। फिर ईश्वर ने जल और सहिसन (अर्श) बनाया। ये बिना किसी स्वर्गदूत के बनाए गए थे और आकाश और पृथ्वी के निर्माण से पहले बनाए गए थे। पैगंबर मुहम्मद ने कहा, "ईश्वर था, और उनके सिवा कुछ नहीं था, और उनका सहिसन पानी के ऊपर था। उन्होंने क़िताब में सब कुछ लिखा (स्वर्ग में) और उन्होंने आकाश और पृथ्वी का निर्माण किया।"[\[3\]](#)

ईश्वर ने क़ुरआन में कई बार उल्लेख किया है कि वह गौरवशाली सहिसन का स्वामी है, क्योंकि यह उनकी रचनाओं में सबसे प्रमुख और सबसे शानदार है।

????? एक पावदान है जो सहिसन के लिए एक सीढ़ी की तरह है और ईश्वर सहिसन के ऊपर हैं, फिर भी उनसे कुछ भी छिपा नहीं है। क़ुरआन का सबसे महान छंद जैसा अरबी में ??? ?? ????? या "पावदान की आयत" कहते हैं, अपने पावदान का उल्लेख करने से पहले ईश्वर अपने ज्ञान का उल्लेख करता है।" (क़ुरआन 2:255)।

सरिफ ईश्वर की ??????, पावदान, ने ही सारे आकाश और धरती को समाया हुआ है (क़ुरआन 2:255)। पैगंबर मुहम्मद ने कहा, "सहिासन की तुलना में पावदान एक खुले रेगसितान में फेंके गए लोहे की अंगूठी से ज्यादा कुछ नहीं है।" [4] इसके अलावा, इब्न अब्बास ने कहा कि अगर कुरसी, पावदान, पूरे आकाश और धरती को समाये हुए है, तो सहिासन की बात ही क्या होगी? हमें इस बात का बलिकूल भी ज्ञान नहीं है कि आकार में सहिासन कतिना बड़ा है और स्पष्ट रूप से हम स्वयं ईश्वर की महानता का अनुमान नहीं लगा सकते हैं।

ईश्वर हमसे दूर नहीं है; वह पूरे क़ुरआन में कहता है कि हिम जहां भी हों वह हमारे साथ है। सूरह अल-हदीद (अध्याय 57) में, ईश्वर के ये कहने के बाद कि वह बैठ गया सहिासन पर, ईश्वर कहता है कि वह सब कुछ जानता है जो प्रवेश करता है धरती में, जो निकलता है उससे, जो उतरता है आकाश से तथा चढ़ता है उसमें, संक्षेप में, वह हर चीज का सूक्ष्मतम विवरण जानता है (क़ुरआन 57:4)। हम जानते हैं कि ईश्वर अपने सहिासन के ऊपर है, और वह सर्वशक्तिमान है और उसे सब कुछ का ज्ञान है।

इसके अलावा, ईश्वर ने सहिासन को ढोने वाले महान स्वर्गदूतों के बारे में बताया है। वे ईश्वर के सबसे अच्छे स्वर्गदूतों में से विशाल शानदार प्राणी हैं। ईश्वर हमें बताता है कि नियाय के दिन आठ स्वर्गदूत होंगे जो उसके सहिासन को उठाएंगे (क़ुरआन 69:17)। पैगंबर ने कहा, "मुझे सर्वशक्तिमान ईश्वर के स्वर्गदूतों में से एक के बारे में बताने की अनुमति है, जो सहिासन को उठाने वालों में से एक है और ये कि उसके कान और उसके कंधे के बीच की दूरी सात सौ साल की यात्रा के बराबर है" (अबू दाऊद)। यह कहने के साथ यह भी बताया गया था कि, "यह दूरी एक पक्षी के सात सौ साल तक उड़ने के बराबर है" (इब्न अबी 'आसमि)।

वे स्वर्गदूत क्या कर रहे हैं?

ईश्वर ने हमें बताया है कि जो स्वर्गदूत उसके सहिासन को ढोते हैं और उसके आस-पास के अन्य स्वर्गदूत उसका गुणगान करते हैं, उस पर विश्वास करते हैं और विश्वास करने वालों के लिए क्षमा मांगते हैं। वे उनके लिए यह कहते हुए प्रार्थना करते हैं कि "हमारे ईश्वर, आपने दया और ज्ञान में सभी चीजों को शामिल किया है, इसलिए उन लोगों को क्षमा करें जिन्होंने पश्चाताप किया है और आपके मार्ग का अनुसरण किया है और उन्हें नरक की सजा से बचा लें।" (क़ुरआन 40:7)

वे ईश्वर की महिमा कर रहे हैं और घोषणा कर रहे हैं कि ईश्वर पूर्ण है और बता रहे हैं कि ईश्वर सहिासन से स्वतंत्र है और सहिासन ढोने वालों से भी स्वतंत्र है। ईश्वर को सहिासन की आवश्यकता नहीं है; ईश्वर को सहिासन ढोने वालों की भी आवश्यकता नहीं है।

**कलम**

जल और सहिासन के नरिमाण के बाद, ईश्वर ने कलम की रचना की। जब पैगंबर कहते हैं कर्ईश्वर ने कलम बनाई, तो वे कहते हैं कर्उनका सहिासन पानी पर था, और ये कर्ईश्वर के सहिासन के नीचे पानी की एक परत थी।

**"ईश्वर ने स्वर्ग और पृथ्वी की रचना करने से पचास हजार साल पहले सृष्टिके उपायों को नरिधारति कयिा था, जबकर्उनका सहिासन पानी के ऊपर था।" [5]**

कलम का आकार क्या है? ये कैसा दखिाई देता है? हमें इसके बारे में बलिकूल भी पता नहीं है।

पैगंबर ने कहा, "ईश्वर ने कलम से कहा: 'लखिो।' कलम ने कहा: 'हे ईश्वर, मै क्या लखिूं?' उन्होंने कहा: 'जब तक समय शुरू नहीं हो जाता, तब तक सभी चीजों के नयिमों को लखिो।'" [6]

---

फुटनोट:

[1] तरिमजिी, अबू दाउद। तबरी द्वारा सहीह और तरिमजिी, दहबी और इब्न तैमयिाह द्वारा हसन के रूप में वरगीकृत

[2] तरिमजिी, इब्न माजा

[3] सहीह अल-बुखारी

[4] तफ़सीर तबरी

[5] सहीह मुसलमि

[6] अबू दाऊद

इस लेख का वेब पता:

<https://www.islamreligion.com/hi/articles/11041>

कॉपीराइट © 2006-2020 सभी अधिकार सुरक्षित हैं। © 2006 - 2023 IslamReligion.com. सभी अधिकार सुरक्षित हैं।